



दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना
आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHIN/2018/76480 Postal Registration No-055/Raigarh DN CG रायगढ़, मंगलवार 19 जुलाई 2022 पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए वर्ष-04, अंक- 291

महत्वपूर्ण एवं खास

कर्नाटक हाईकोर्ट के जज की टिप्पणी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट आज करेगा सुनवाई
बेंगलुरु (आरएनएस)। कर्नाटक के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के प्रमुख एडीजीपी सीमांत कुमार सिंह और जेल में बंद आईएएस अधिकारी जे. मंजुनाथ ने हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एच.पी. संदेश द्वारा की गई टिप्पणी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसपर कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा। याचिका में जे. मंजुनाथ कहा था, जस्टिस संदेश द्वारा की गई टिप्पणी के बाद मुझे मीडिया ट्रायल का सामना करना पड़ रहा है। वहीं एडीजीपी सीमांत कुमार सिंह ने भी जस्टिस संदेश द्वारा की गई टिप्पणी के खिलाफ शीर्ष अदालत से राहत की मांग करते हुए एक याचिका दायर की थी। बता दें, न्यायाधीश ने राज्य के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को एक संग्रह केंद्र बताते हुए इसके एडीजीपी सीमांत कुमार सिंह को दार्जीलिंग में रखा जा रहा है। भारत के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ दोनों याचिकाओं पर सुनवाई के लिए तैयार हो गई। इन पर सोमवार को सुनवाई होगी। मुख्य न्यायाधीश एन.वी. रमना, कृष्ण मुरारी और हिमा कोहली की पीठ इस मामले की सुनवाई करेगी।

शिवसेना को एक और तगड़ा झटका, पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामदास कदम ने दिया इस्तीफा
मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र में शिवसेना को एक और बड़ा झटका लगने जा रहा है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष और मंत्री रहे रामदास कदम ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। वह उद्वव ठाकरे के गुट में थे। इससे पहले उनके बेटे और विधायक योगेश कदम भी शिव सेने में शामिल हो गए थे। मालूम हो कि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना विधायकों की बगावत के बाद उद्वव ठाकरे से मुख्यमंत्री पद छिन गया था। रत्नागिरि में खेड़ विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक राम कदम शिवसेना के उन कई बागी नेताओं में शामिल हैं, जिन्हें शहरी विकास मंत्री एकनाथ शिंदे का पक्ष लेते देखा गया है। रामदास कदम का पिछले महीने परिवहन मंत्री अनिल परब के साथ अनबन होने गई थी और उन्होंने शिवसेना में दरकिनार किए जाने की शिकायत की थी। वहीं ऐसी अटकलें थी कि परब के साथ विवाद के बाद कदम शिवसेना छोड़ देंगे, उन्हें पार्टी सांसद और प्रवक्ता संजय राउत से मिलने के बाद मना लिया गया था।

अमरनाथ यात्रा पूरी होने से पहले पिघल गए बाबा बर्फानी, आगे बढ़ रहे 10,000 श्रद्धालुओं को नहीं हो पाएंगे शिवलिंग के दर्शन
नई दिल्ली (आरएनएस)। श्री अमरनाथ यात्रा की यात्रा करने की तैयारी बना रहे श्रद्धालुओं के लिए बड़ी खबर सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी का शिवलिंग पूरी तरह से पिघल गया है। इस बार यात्रा खतम होने से पहले ही शिवलिंग पूरी तरह से पिघल गया। वहीं, शिवलिंग के पिघलने से तीर्थयात्रियों को बाबा के बर्फीले रूप के दर्शन नहीं होंगे। पिछले कई सालों से यात्रा पूरी होने से पहले ही बर्फीला शिवलिंग पिघल जा रहा है। हालांकि, अब तक कम से कम दो लाख श्रद्धालु पवित्र अमरनाथ गुफा में स्वनिरमित शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं, जबकि पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों से 10,000 से अधिक यात्रियों का एक नया जलथा गुफा की ओर बढ़ रहा है। इस बार में अधिकारियों ने बताया कि 30 जून को अमरनाथ यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कम से कम दो लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में स्वनिरमित शिवलिंग के दर्शन किए हैं, जिसमें से 4000 तीर्थयात्रियों ने आज सुबह 11 बजे यहाँ पर पूजा-अर्चना की। आज मौसम साफ होने की वजह से यात्रियों के एक नए जलथा को दक्षिण कश्मीर में पहलगाम में पारंपरिक नुनवान आधार शिविर से और सबसे छोटे मार्ग बालटाल से दुमल होते हुए आगे बढ़ने की अनुमति दी गई है।

ईडी का केआईआईएफबी मामले में इसाक को पेश होने का नोटिस कोच्चि (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने केरल के पूर्व वित्त मंत्री और माकपा नेता थॉमस इसाक को केरल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) मामले में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा)के कथित उल्लंघन को लेकर उसके समक्ष पेश होने का नोटिस जारी किया है। सूत्रों ने रविवार को बताया कि ईडी ने इसाक को मंगलवार को पेश होने का निर्देश दिया है।

द्रौपदी मुर्मू या यशवंत सिन्हा, कौन होगा देश का 15वां राष्ट्रपति? बैलेट बॉक्स में बंद हुई किस्मत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश के 15वें राष्ट्रपति के लिए चुनाव संपन्न हो गए हैं। इस दौरान ओडिशा से असम तक क्रॉस वोटिंग देखने को मिली। उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भी क्रॉस वोटिंग हुई। यूपी में बरेली के सपा विधायक शहजील इस्लाम ने पार्टी लाइन से हटकर द्रौपदी मुर्मू को वोट दिया। बता दें कि मतदान सुबह 10 बजे शुरू हुआ था और शाम के 5 बजे तक चला। एनडीए की तरफ से द्रौपदी मुर्मू को विपक्ष की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा मैदान में हैं। मतपेटी में कैद हुई किस्मत दोनों ही उम्मीदवारों की किस्मत मतपेटी में कैद हो गई है। हालांकि माना जा रहा है कि द्रौपदी मुर्मू की जीत सुनिश्चित है। एनडीए के घटक दलों के साथ बीजू जनता दल, जेडीयू और शिवसेना जैसे क्षेत्रीय दलों ने भी मुर्मू के समर्थन में



कार्यकाल 24 जुलाई को खत्म हो रहा है।
राष्ट्रपति चुनाव : मतदान करने न्हीलचेयर पर संसद भवन पहुंचे पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, चार लोगों ने पकडकर डलवाया वोट- भारत के नए राष्ट्रपति के चुनाव के लिए देश भर में संसद और राज्य विधानसभाओं में गुप्त मतदान द्वारा वोटिंग हुई। झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की उम्मीदवार हैं, जबकि उनके विपक्षी प्रतिद्वंद्वी यशवंत सिन्हा हैं। आज पहली बार 89 वर्षीय मनमोहन सिंह को संसद भवन में न्हीलचेयर पर देखा गया। प्रधानमंत्री ने चार सरकारी अधिकारी की मदद से अपना वोट दिया। कांग्रेस के कई नेताओं ने मनमोहन सिंह के लोकतंत्र को नए राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण होगा। दरअसल राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का

कार्यकाल 24 जुलाई को खत्म हो रहा है।
राष्ट्रपति चुनाव : मतदान करने न्हीलचेयर पर संसद भवन पहुंचे पूर्व पीएम मनमोहन सिंह, चार लोगों ने पकडकर डलवाया वोट- भारत के नए राष्ट्रपति के चुनाव के लिए देश भर में संसद और राज्य विधानसभाओं में गुप्त मतदान द्वारा वोटिंग हुई। झारखंड की पूर्व राज्यपाल द्रौपदी मुर्मू भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की उम्मीदवार हैं, जबकि उनके विपक्षी प्रतिद्वंद्वी यशवंत सिन्हा हैं। आज पहली बार 89 वर्षीय मनमोहन सिंह को संसद भवन में न्हीलचेयर पर देखा गया। प्रधानमंत्री ने चार सरकारी अधिकारी की मदद से अपना वोट दिया। कांग्रेस के कई नेताओं ने मनमोहन सिंह के लोकतंत्र को नए राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण होगा। दरअसल राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने वोटिंग शुरू होने के पहले घंटे में अपना वोट दिया।
राष्ट्रपति चुनाव के लिए पहली बार में वोट नहीं डाल पाए मुलायम और निसिथ, नए मतपत्र दिए गए- राष्ट्रपति पद के लिए सोमवार को हो रहे चुनाव के दौरान समाजवादी पार्टी (सपा) के संरक्षक मुलायम सिंह यादव पहली बार में अपना वोट नहीं डाल पाए जिसके बाद उन्हें नए मतपत्र दिए गए। मुलायम के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता निसिथ प्रामाणिक को भी नए मतपत्र दिए गए, क्योंकि वे भी पहली कोशिश में अपने मतदाधिकार का इस्तेमाल नहीं कर पाए। सूत्रों ने बताया कि न्हीलचेयर पर संसद भवन पहुंचे 82 वर्षीय मुलायम यादव वोट डालने के दौरान लड़खड़ा गए और उन्हें मतदान का एक और मौका दिया गया।

उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए जगदीप धनखड़ का नामांकन, पीएम नरेंद्र मोदी संग दिखा एनडीए का कुनबा

नई दिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति पद के लिए एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ ने नामांकन दाखिल कर दिया है। इस मौके पर पीएम नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह और भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा भी उनके साथ मौजूद थे। वहीं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी समेत भाजपा के कई और सीनियर नेता इस मौके पर नजर आए। यही नहीं एनडीए की ओर से इस मौके पर एकता का भी इजहार किया गया। नामांकन के मौके पर अपना दल की नेता अनुप्रिया पटेल और रिपब्लिकन पार्टी के नेता रामदास आठवले भी पहुंचे थे। इस तरह भाजपा ने उपराष्ट्रपति के लिए धनखड़ के नामांकन के मौके पर शक्ति प्रदर्शन भी किया। शनिवार को ही भाजपा की ओर से जगदीप धनखड़ को उपराष्ट्रपति उम्मीदवार बनाने का एलान किया गया था। वह फिलहाल बंगाल के गवर्नर हैं और राजस्थान के बुंदेलु के रहने वाले हैं। नामांकन के बाद जगदीप धनखड़ ने कहा कि मैं हमेशा देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाकर रखूंगा। उन्होंने कहा कि मैंने तो कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मेरे जैसे व्यक्ति को कभी इस तरह का अवसर मिलेगा। नामांकन से पहले जगदीप धनखड़ ने अलग-अलग दलों के सांसदों से भी मुलाकात की। इसके बाद नामांकन के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और अन्य नेताओं के साथ निकले। इस मौके पर बीजू जनता दल और लोक जनशक्ति पार्टी के नेता भी मौजूद थे।

नीट परीक्षा : चेकिंग के नाम पर पार की हदें, छात्राओं के अंडरगारमेंट्स उतरवाकर स्टोर रूम में रखवाए

नई दिल्ली (आरएनएस)। नेशनल एलेजिबिलिटी कम एंट्रेस टेस्ट की परीक्षा के दौरान छात्रों की चेकिंग को लेकर हेरान कर देने खबर सामने आएं हैं। यहां, केरल के कोल्लम से सख्ती के नाम पर छात्राओं के अंडरगारमेंट्स तक उतरवा दिए गए। इस मामले में छात्राओं के परिजनों ने पुलिस में मामला दर्ज करवाया है। हालांकि, मार्थोमा इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने इस घटना से इनकार किया है।



पुलिस में शिकायत देते हुए छात्रा के पिता ने बताया, 'मेरी बेटी को कहा गया कि अंडरगारमेंट्स का हुक मेटल डिटेक्टर में डिटेक्ट किया गया है, इसलिए उसे उतारना होगा। करीब 90 फीसदी छात्राओं के अंडरगारमेंट्स उतरवाए गए और उसे स्टोर रूम में रखा गया। इस वजह से परीक्षा के दौरान वे स्टूडेंट्स मानसिक रूप से बेहद परेशान रहे।' ऐसे ही एक अन्य छात्रा के पिता ने कहा, 'मेरी

संतुलन बिगड़ने से यात्रियों से भरी बस नर्मदा नदी में गिरी, 13 शव बरामद

धार (आरएनएस)। मध्यप्रदेश से हाल ही में एक बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि राज्य के खरगोन-धार के खलघाट में यात्रियों से भरी बस नर्मदा नदी में जा गिरी। बताया जा रहा है कि इस घटना में 13 लोगों के शव बरामद किए गए हैं। वहीं, घायलों को एंबुलेंस की मदद से धामनोद शासकीय अस्पताल भेजा गया है। मौके पर धामनोद पुलिस



एवं खलघाटका पुलिस मोर्चा संभाले हुए हैं बचाव के लिए गोताखोर लगे हुए हैं। एनडीआरएफ की टीम भी राहत बचाव के लिए मौके पर पहुंची है। इंदौर कमिश्नर पवन कुमार शर्मा ने धार और खरगोन के कलेक्टर

को घटना स्थल पर पहुंचने के निर्देश दिए हैं।
मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सुबह खरगोन- धार के बीच स्थित खलघाट में हुई बस दुर्घटना का संज्ञान लिया है। बस के खाई में गिर जाने की सूचना मिलते ही प्रशासन को शीघ्र पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं। बस को क्रेन की मदद से निकाल लिया गया है। यात्रियों के रेस्क्यू का काम जारी है।
जिला प्रशासन घटना स्थल पर है। मुख्यमंत्री ने एसडीआरएफ को भेजने के निर्देश दिए हैं, इसके अतिरिक्त आवश्यक संसाधन घटना स्थल पर भेजने और घायलों के समुचित इलाज की व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। खरगोन, इंदौर जिला प्रशासन के साथ मुख्यमंत्री निरंतर संपर्क बनाए हुए हैं।
वहीं, पूर्व सीएम कमलनाथ ने धार जिले के खलघाट में हुए हादसे पर दुःख व्यक्त करते हुए सरकार व प्रशासन से युद्ध स्तर पर बचाव कार्य करने की मांग की और लोगों को जल्द राहत पहुंचाने की बात कही है।

पोर्ट से लेकर एयरपोर्ट तक, अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की सख्त जांच का आदेश; दूसरा मंकीपाँक्स मिलने पर एक्शन में केंद्र

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र ने सोमवार को आगमन पर सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की सख्त स्वास्थ्य जांच की सलाह दी है। केंद्र का यह आदेश ऐसे समय में आया है जब केरल के कन्नूर का 31 वर्षीय एक व्यक्ति सोमवार को जांच में मंकीपाँक्स से संक्रमित पाया गया। यह भारत में इस बीमारी का दूसरा मामला है। यह जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने दी। इससे पहले, अफ्रीकी देशों से आने वाले यात्रियों के लिए स्क्रीनिंग की सलाह दी गई थी। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने हवाई अड्डों और बंदरगाहों पर भारत आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की स्वास्थ्य जांच के कामकाज की समीक्षा की। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि समीक्षा प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, राज्यों, हवाई अड्डे और बंदरगाह के



स्वास्थ्य अधिकारियों को सलाह दी गई है कि वे सभी अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की सख्त स्वास्थ्य जांच सुनिश्चित करें ताकि बाहर से आने वाले मंकीपाँक्स रोग के जोखिम को कम किया जा सके। बैठक में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के क्षेत्रीय अधिकारियों, हवाई अड्डे और बंदरगाह के स्वास्थ्य अधिकारियों व क्षेत्रीय निदेशकों ने भाग लिया। इससे पहले एक अधिकारी ने कहा कि दूसरा मंकीपाँक्स मरीज 13 जुलाई को दुबई से तटीय कर्नाटक के मंगलूरु हवाई अड्डे

पर उतरा था। उन्होंने कहा कि बीमारी के लक्षण दिखने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उसके नमूने राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान, पुणे को भेजे गए थे। उन्होंने बताया कि जांच में वह वायरस से संक्रमित पाया गया। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कोल्लम जिले से मंकीपाँक्स के पहले मामले का पता चलने के बाद सार्वजनिक स्वास्थ्य उपायों को शुरू करने में राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों की सहायता के लिए पिछले सप्ताह केरल में एक उच्चस्तरीय टीम भेजी थी। पिछले सप्ताह स्वास्थ्य मंत्रालय के एक आधिकारिक ज्ञापन में कहा गया था, 'केरल के कोल्लम जिले से मंकीपाँक्स के एक मामले की पुष्टि के मद्देनजर, स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रकोप की स्थिति में राज्यों के आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य उपाय शुरू करने में केरल राज्य सरकार की मदद करने के लिए एक केंद्रीय टीम भेजने का निर्णय लिया है।'
अधिकारियों ने कहा था कि टीम राज्य के स्वास्थ्य विभागों के साथ मिलकर काम करेगी और जमीनी स्थिति का जायजा लेगी और आवश्यक सार्वजनिक स्वास्थ्य हस्तक्षेप की सिफारिश करेगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने पहले कहा था, 'भारत सरकार स्थिति की सावधानीपूर्वक निगरानी करके अग्र सक्रिय कदम उठा रही है और किसी संभावित प्रकोप की स्थिति में राज्यों के साथ समन्वय कर रही है।'
इस बीच, तिरुवनंतपुरम से प्राप्त खबर के अनुसार केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने कहा कि दुबई से पिछले हफ्ते राज्य पहुंचा 31 वर्षीय एक व्यक्ति जांच में मंकीपाँक्स से संक्रमित पाया गया है।

नूपुर शर्मा फिर पहुंची सुप्रीम कोर्ट, पैगंबर टिप्पणी मामले में गिरफ्तारी से मांगी राहत

नई दिल्ली (आरएनएस)। भाजपा की निर्लंबित नेता नूपुर शर्मा एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट पहुंच गई हैं। इस बार उन्होंने पैगंबर टिप्पणी में गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की है। दो महीने पहले एक टीवी बहस के दौरान नूपुर शर्मा ने मोहम्मद पैगंबर पर विवादित टिप्पणी की थी। इसके बाद इस मामले में काफी ज्यादा विवाद हुआ था। कई इस्लामिक देशों ने भी इस पर एतराज जताया था। गौरतलब है कि इससे पहले भी नूपुर शर्मा सुप्रीम कोर्ट पहुंची थीं। तब उन्होंने देश के विभिन्न हिस्सों में दर्ज एफआईआर पर एक जगह सुनवाई की मांग की थी। हालांकि शीर्ष अदालत ने इससे इंकार कर दिया था और उन्हें इसके लिए कुछ कड़ी बातें भी सुनाई थीं।



नए सिरे से धमकियों की बात नूपुर शर्मा की नई याचिका अभी सुनवाई के लिए लिस्टेड नहीं हुई है। अपनी ताजा याचिका में नूपुर शर्मा ने नई धमकियों और अपनी आलोचना का भी हवाला दिया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें नए सिरे से लगातार रेप और हत्या की धमकियां मिल रही हैं। गौरतलब है कि नूपुर शर्मा का समर्थन करने के चलते दो लोगों को अपनी जान भी गंवानी पड़ी है।

हेरेली तिहार के अवसर पर 28 से शुरू होगी गौठानों में गौ-मूत्र की खरीदी

□ गौ-मूत्र की खरीदी के लिए न्यूनतम राशि 4 रुपए लीटर प्रस्तावित
□ राज्य में पशुपालकों की आय और जैविक खेती को बढ़ावा देने की दिशा में एक और पहल
रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विशेष पहल पर राज्य के गौठानों में 28 जुलाई हेरेली तिहार से गौ-मूत्र की खरीदी की शुरूआत होगी। प्रथम चरण में प्रत्येक जिले के दो चयनित स्वावलंबी गौठानों में गौ-मूत्र की खरीदी की जाएगी। गौठान प्रबंध समिति पशुपालक से गौ-मूत्र क्रय करने हेतु स्थानीय स्तर पर दर निर्धारित

कर सकेगी। कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राज्य में गौ-मूत्र क्रय के लिए न्यूनतम राशि 4 रुपए प्रति लीटर प्रस्तावित की गई है। क्रय गौ-मूत्र से महिला स्व-सहायता समूह की मदद से जीवामृत एवं कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाएंगे। चयनित समूहों को पशु चिकित्सा विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के सहयोग से विधिवत प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।
गोधन न्याय मिशन के प्रबंध संचालक डॉ. अय्याज तम्बोली ने सभी कलेक्टरों को गौठानों में गौ-मूत्र की खरीदी को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा है। उन्होंने कहा है कि गौ-मूत्र का क्रय गौठान प्रबंधन समिति



स्वयं के बैंक खातों में उपलब्ध गोधन न्याय योजना अंतर्गत प्राप्ति, चक्रीय निधि ब्याज की राशि से करेगी। उन्होंने कलेक्टरों को अपने-अपने जिले के दो स्वावलंबी गौठानों, स्व-सहायता समूह का चयन करने, गौठान प्रबंध समिति तथा स्व-सहायता समूह के सदस्यों की प्रशिक्षण देने के साथ ही गौ-मूत्र परीक्षण

संबंधी किट एवं उत्पाद भण्डारण हेतु आवश्यक व्यवस्था करने को कहा है। कलेक्टरों को चयनित गौठान एवं स्व-सहायता समूह की सूची ई-मेल पर शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा गया है।
गौरतलब है कि दो साल पहले 20 जुलाई 2020 को राज्य में हेरेली पर्व के दिन से ही गोधन न्याय योजना के

तहत गौठानों में गोबर की खरीदी की शुरूआत हुई थी। गोबर से गौठानों में अब तक 20 लाख किंवदंल से अधिक वर्मी कम्पोस्ट, सुपर कम्पोस्ट, सुपर प्लस कम्पोस्ट महिला स्व-सहायता समूहों द्वारा उत्पादित किए जा चुके हैं, जिसके चलते राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा मिला है। गौ-मूत्र की खरीदी राज्य में जैविक खेती के प्रयासों को और आगे बढ़ाने में मददगार साबित होगी। इसी को ध्यान में रखकर राज्य में गौ-मूत्र की खरीदी शुरू की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक और जरिया मिलेगा। जीवामृत और गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद का उपयोग किसान भाई रासायनिक कीटनाशक के बदले कर सकेंगे, जिससे कृषि में कास्ट लागत कम होगी।
खाद्यान की विषाक्तता में कमी आएगी। गोधन न्याय योजना राज्य के ग्रामीण अंचल में बेहद लोकप्रिय योजना साबित हुई है। इस योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों से लगभग दो सालों से अधिक राशि का गोबर खरीदी की जा रही है। इससे पशुपालकों को गौ-मूत्र बेचने से जहां एक ओर अतिरिक्त आय होगी, वहीं दूसरी ओर महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से जीवामृत, गौ-मूत्र की कीट नियंत्रक उत्पाद तैयार किए जाने से समूहों को रोजगार और आय का एक